www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आखिर भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के...
3 पुरूषों के लिए हेयर ऑयल...
4 सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के...

वर्ष: 9 | अंक: 198 | दिल्ली, मंगलवार, 13 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

ऑपरेशन सिंदूर भारत की हर बेटी, बहन, मां के नाम: मोदी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी ने पिछले कुछ दिनों में देश की क्षमता और धैर्य को देखा है।

मैं सशस्त्र बलों, सेना, खुफिया एजेंसी और वैज्ञानिकों को सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई, उसने देश और दुनिया को हिलाकर रख दिया है। जो निर्दोष लोग छुट्टी मना रहे थे, उन्हें उनके परिवारों के सामने, उनका धर्म पूछकर मार दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए भारतीय सेना को पूरी आजादी दी है और आज हर आतंकवादी, हर आतंकवादी संगठन जानता है कि

'हमारी बहनें, बेटियों के माथे से सिन्दूर हटाने का अंजाम क्या होता है'। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला आतंकवाद का सबसे बर्बर चेहरा था; यह मेरे लिए व्यक्तिगत पीड़ा थी। हमने सशस्त्र बलों को आतंकवादियों को मिट्टी मिलाने की पूरी छूट दी।

मोदी ने कहा कि इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर समाज, हर वर्ग, हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए देश की सेनाओं को खुली छूट दे दी। आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर हमला किया।

आतंकवादियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत इतना बड़ा कदम उठाएगा। जब भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पाकिस्तान में उन स्थलों पर हमला किया, तो न केवल आतंकवादियों की इमारतें नष्ट हुईं, बल्कि उनके साहस को भी कुचला गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर, न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने पाकिस्तान के आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर अपने हमले रोक दिए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।

'युद्ध कोई रोमांटिक हिंदी फिल्म नहीं है, यह विनाश है: नरवणे

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता के निलंबन पर सवाल उठाने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि युद्ध न तो रोमांटिक है और न ही सिनेमाई। शहर में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (पुणे चैप्टर) के हीरक जयंती समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए जनरल नरवणे ने कहा, जब वास्तव में युद्ध छिड़ता है, तो मौत और विनाश होता है। इसकी अपनी लागत होती है, पुनर्निर्माण की लागत के साथ-साथ खोए गए उपकरणों की लागत भी होती है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने के फैसले पर उठ रहे सवालों की आलोचना करते हुए कहा कि युद्ध न तो रोमांटिक होता है और न ही यह कोई बॉलीवुड फिल्म है। उन्होंने रविवार को पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आदेश मिलेगा तो वह युद्ध के लिए तैयार रहेंगे, लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा कूटनीति रहेगी। नरवणे ने कहा कि जब रात में गोले गिरते हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, खासतौर पर बच्चों को शरण स्थलों की ओर भागना

पड़ता है, तो वह अनुभव उनके मन में गहरी वेदना छोड़ता है। उन्होंने कहा, जिन्होंने अपने परिजन खोए हैं, उनके लिए वह दर्द पीढ़ियों तक बना रहता है। इसे पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) कहते हैं। जो लोग ऐसे भयानक दृश्य देखते हैं, वे 20 साल बाद भी पसीने में भीगकर उठते हैं और उन्हें मनोचिकित्सकीय मदद की जरूरत पड़ती है। यह कार्यक्रम भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा आयोजित किया गया था। नरवणे ने कहा, युद्ध कोई रोमांटिक बात नहीं है। यह आपकी कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। यह एक गंभीर विषय है।

युद्ध या हिंसा अंतिम विकल्प होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। भले ही अविवेकी लोग हम पर युद्ध थोपें, हमें उसका स्वागत नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, फिर भी लोग पूछ रहे हैं कि हमने अब तक पूरी ताकत से युद्ध क्यों नहीं किया। एक सैनिक के रूप में यदि आदेश दिया जाए तो मैं युद्ध में जाऊंगा, लेकिन वह मेरी पहली पसंद नहीं होगी। जनरल नरवणे ने कहा कि उनका पहला विकल्प कूटनीति होगा, संवाद के माध्यम से मतभेदों को सुलझाना और सशस्त्र संघर्ष की नौबत न आने देना होगा।

शहीदों के परिजनों को 1 करोड़ की राशि देने का फैसला लेकर सीएम ने शहीदों का सम्मान किया: वीरेश शांडिल्य

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस फैसले को ऐतिहासिक बताया कि शहीदों के परिजनों को 50 लाख की राशि बढ़ाकर अब एक करोड़ दी जाएगी। नायब सैनी का यह फैसला राष्ट्रहित में है और पड़ोसी राज्य पाकिस्तान से जंग लगी हुई है और ऐसे में नायब सैनी ने शहीदों की राशि को 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रूपए कर भारतीय सेना पैरामिल्ट्री फोर्स व पुलिस का मनोबल बढ़ाया है।

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि नायब सैनी व उनकी सरकार ने राष्ट्रहित में बड़ा फैसला लिया और उनका संगठन एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया नायब सैनी को प्राइड ऑफ नेशन अवार्ड से सम्मानित करेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी जब मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शहीद परिवारों की आर्थिक सहायता बढ़ाई थी तो भी एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया ने मनोहर लाल खट्टर को हरियाणा रत्न का अवार्ड दिया था लेकिन जंग के समय में नायब सैनी ने शहीद परिवारों की राशि 50 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ की इससे पूरे देश

में यह संदेश गया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी राष्ट्रभक्त हैं और भारत माता के प्रति

समर्पित हैं। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि उनका संगठन भी लगातार मांग कर रहा था कि शहीद परिवारों को एक करोड़ की राशि दी जाए ताकि शहीदों के परिजनों का मनोबल बढ़े। वहीं वीरेश शांडिल्य ने एक बार फिर पहलगांव के शहीद विनय नरवाल को शहीद का दर्जा देने व उसकी बहन सृष्टि को एचसीएस मनोनीत करने और पत्नी हिमांशी को रक्षामंत्री राजनाथ से मिलकर डिफेंस मंत्रालय में अहम पद पर देने को लेकर मिले और विनय नरवाल के परिजनों को एक करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जाए। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने मुख्यमंत्री नायब सैनी के इस फैसले का भी स्वागत किया जिसमें उन्होंने एक करोड़ की राशि में 33 प्रतिशत पत्नी व बाकी माता पिता को देने की घोषणा की इससे शहीद के परिजनों को एक बहुत बड़ा हौंसला व सहारा मिलेगा।

प्रशिक्षण हमारे आत्मविश्वास को बढाता है: डॉ अरशिन्दर सिंह चावला

प्रोबेशनर डीएसपी ने दीक्षांत समारोह में ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के क्वार्टर गार्द परिसर में प्रोबेशनर डीएसपी बैसिक कोर्स बैच संख्या 23 के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ अरशिन्दर सिंह चावला, निदेशक, हरियाणा पुलिस अकादमी मुख्य अतिथि रहे। समारोह में अपना मौलिक प्रशिक्षण पूरा कर चुके 04 प्रोबेशनर डीएसपी ने संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और निष्पक्षता से कर्तव्य पालन की शपथ ली। इस अवसर पर अकादमी की पुलिस अधीक्षक पुष्पा ने प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि डॉ चावला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण हमारे आत्मविशवास को बढाता है। प्रशिक्षण में आप जितना तपे हैं और आगे फील्ड में जितना तपेंगे उतना ही आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा, जो आपके पुलिस पेशेवर जीवन की राह को आसान बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह वर्दी समाज की सेवा करने के अनेक अवसर प्रदान करती है। मेरा मानना है कि आप इस लक्ष्य और उद्देश्य को जनता के बीच जाकर पूरा

करेंगे। उन्होंने कहा कि आपके बैच प्रोफाईल को देखकर ज्ञानत हुआ कि दो प्रशिक्षु स्नातक है और दो प्रशिक्षु स्नातकोत्तर हैं। आपके बेसिक कोर्स की अवधि 15 अप्रैल 2024 से 26 अप्रैल 2025 तक रही। इस दौरान आपको प्रशिक्षण के विभिन्न आयामों से अवगत कराया गया। जिनमें पुलिस पेशेवर प्रशिक्षण के साथ-साथ साइबर सिक्योरिटी, नए आपराधिक कानून, स्थानीय एवं विशेष अधिनियम, व्यावहारिक ज्ञान व आपातकालीन परिस्थितियों में कार्य करने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आप अपेक्षित मापदंडों पर खरे उतरेंगे, सकारात्मक ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे और हरियाणा पुलिस के गौरव को ओर अधिक बढ़ाएंगे। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि जो शपथ आपने आज ली है उस पर खरा उतरेंगे। इस अवसर पर उन्होंने पास-आउट हो रहे प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई व शुभकामनांए भी दी। मुख्य अतिथि महोदय ने इस बैच में प्रथम स्थान पर रहे प्रोबेशनर डीएसपी अक्षय कुमार को डीजीपी स्वार्ड ऑफ हॉनर तथा द्वितीय स्थान पर रहे प्रोबेशनर डीएसपी साहिल ढिल्लो को डीजीपी बैटन देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन की द्वितीय वाहिनी के आदेशक राजीव देसवाल, अकादमी की पुलिस अधीक्षक पुष्पा, न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, मधुबन के उप-निदेशक अरविंद हुड्डा, अकादमी के जिला न्यायवादी डॉ सोहन सिंह, जिला उप-न्यायवादी सुरेन्द्र कुमार, पुलिस उप-अधीक्षक शरीफ सिंह, गोरख पाल, मुकेश कुमार, प्रशिक्षु अधिकारियों के परिजन, अकादमी स्टाफ व प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय करेगी: फडणवीस

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करेगी और उनके साथ मिलकर काम करेगी। वह भारत-पाकिस्तान संघर्ष के मद्देनजर सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य प्रमुख एजेंसियों के प्रतिनिधियों की राज्य सरकार के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। एक बयान में कहा गया कि यह बैठक खुफिया आंकड़ों के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग और एहतियाती कदम उठाने से संबंधित थी। इसमें कहा गया कि बैठक में सुरक्षा एजेंसियों और सरकार के बीच सहयोग के लिए समन्वय तंत्र स्थापित करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों ने जिस ताकत और सटीकता के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया वह बेजोड़ था। उन्होंने कहा, मैं सशस्त्र बलों को सलाम करता हूं। मुंबई अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य की वित्तीय राजधानी है। खुफिया जानकारी साझा करना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

गुजरात के सात हवाई अड्डे यात्री विमानों के लिए खोले गए

गुजरात (एजेन्सी)। गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ के तीन हवाई अड्डों सहित सात हवाई अड्डे सोमवार सुबह यात्री विमानों के लिए फिर खोल दिये गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के कारण नौ मई को राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा पोरबंदर, जामनगर, केशोद (जूनागढ़ जिला) और भुज, मुंद्रा और कांडला (कच्छ जिला) हवाई अड्डों को नागरिक विमानों के लिए बंद कर दिया गया था। राजकोट हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्वाह्न 10:20 बजेहवाई अड्डों को नागरिक उड़ानों के लिए खोल दिया गया है। भुज हवाई अड्डा के निदेशक नवनीत कुमार गुप्ता ने बताया, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण की घोषणा के बाद कच्छ में भुज, मुंद्रा और कांडला हवाई अड्डे अब खुल गए हैं। जामनगर हवाई अड्डा के निदेशक डी के सिंह ने भी हवाई अड्डे को यात्री विमानों के लिएफिर से खोलने की पुष्टि की। नौ मई को देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में 32 हवाई अड्डे सुरक्षा कारणों से बंद कर दिए गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनी है।

बीजेपी देशभर में निकालेगी 'तिरंगा यात्रा'

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तिरंगा यात्रा 2025 की ताजा खबरें: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 13 से 23 मई तक देशभर में 10 दिवसीय तिरंगा यात्रा की योजना का अनावरण किया है, जिसका उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाना और आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख को प्रदर्शित करना है। यह अभियान पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों के निर्णायक हमलों को उजागर करेगा, जिसने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आक्रामक मंसूबों को विफल कर दिया। संबित पात्रा, विनोद तावड़े और तरुण चुग सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं को यात्रा के समन्वय का काम सौंपा गया है, जिसमें पार्टी के शीर्ष नेता, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री राज्यों में रैलियों का नेतृत्व करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा घोषित इस पहल का उद्देश्य सशस्त्र बलों का सम्मान करना और आतंकवाद पर सरकार की शून्य सहिष्णुता नीति के इर्द-गिर्द राष्ट्रीय गौरव को जगाना है।

भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ सदैव प्रेरणादायी-सरदार पतविंदर सिंह

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के युवाओं के मध्य चौपाल कर कहा कि बुद्ध यह शब्द न केवल बोध का द्योतक है, अपितु चेतना की उस परम स्थिति का बिम्ब है, जहाँ आत्मा अज्ञान के आवरणों को चीरकर ज्ञान की आलोक-धारा से स्वयं को प्रकाशित कर लेती है। इस चराचर जगत में यदि कोई वस्तु परम मूल्यवान कही जा सकती है, तो वह है ज्ञान, बुद्ध जाग्रत आत्मा, प्रकाशमान चेतना, करुणा की मूर्तिमान प्रतिमा।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता डॉ सुरेश कुशवाहा ने कहा कि भगवान बुद्ध न केवल करुणा के साक्षात अवतार हैं, अपितु सनातन धर्म-संस्कृति की अक्षुण्ण धारा से अभिन्न रूप से सम्बद्ध भी हैं।जिस हृदय में अन्य के दुःख और क्लेश को देखकर सहज ही संवेदना की तरंगें उठें, वही दीनबन्धु, वही ईशतुल्य होता है। ऐसी करुणा ही सच्चे बोध की प्रथम सीढ़ी है। मोहित अग्रहरी ने कहा

कि बुद्ध पूर्णिमा का यह पावन दिवस हमें आह्वान करता है कि हम अपने अन्तःकरण को करुणा, सौजन्य और सहानुभूति से सिञ्चित करें।

दिलीप चतुर्वेदी ने कहा कि सत्य, अहिंसा और प्राणिमात्र पर करुणा के संदेश से विश्व में शांति, सद्भावना और समता का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध की शिक्षाएँ सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी है। बुद्ध पूर्णिमा पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस अवसर पर आलोक कुमार, सत्यम, भगवती लाल, पुरुषोत्तम मित्तल, दयानंद चौधरी, अजीत, हरमनजी सिंह, दलजीत कौर सहित कई राष्ट्रभक्त स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

उपराज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की रखी आधारशिला

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना एवं माननीय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। यह अभिनव परियोजना दिल्ली विधानसभा को देश की पहली ऐसी विधानसभा बनाएगी, जो पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलेगी और सतत व जिम्मेदार शासन का राष्ट्रीय मानक स्थापित करेगी।

सौर ऊर्जा संचालित विधानसभा की पहल की सराहना करते हुए श्री सक्सेना ने कहा, "आज रखी गई यह आधारशिला सिर्फ एक सौर संयंत्र के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए है, जो जिम्मेदार शासन की नींव है।" उन्होंने बताया कि संयंत्र की क्षमता 200 किलोवाट से बढ़ाकर 500 किलोवाट की गई है, जो स्थान और तकनीकी सीमाओं के बावजूद संभव हुआ-यह दिल्ली की नए स्वरूप और निरंतर विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री सक्सेना ने यह भी कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डी.डी.ए.) विधानसभा को धरोहर स्थल घोषित करने के प्रयासों में पूरा सहयोग देगा। उन्होंने कहा, "मैंने पहले भी विधानसभा का दौरा किया है, इसकी समृद्ध विरासत की रक्षा करना मेरा उद्देश्य है।" श्री सक्सेना ने विधानसभा अध्यक्ष को इस पहल को साकार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बधाई दी और उनके सक्रिय दृष्टिकोण व सतत विकास के प्रति समर्पण की सराहना की।

विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा के आधुनिकीकरण और निरंतर विकास से जुड़ी पहलों की जानकारी दी, जिनमें विधानसभा पुस्तकालय का डिजिटलीकरण, नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन, लाइट एंड साउंड शो और बुनियादी ढांचे का नवीनीकरण शामिल है, ताकि विधानसभा को धरोहर के रूप में संरक्षित किया जा सके।

इसका मुख्य आकर्षण सौर ऊर्जा परियोजना है, जिससे हर महीने लगभग रु15 लाख की बिजली की बचत होगी। अतिरिक्त बिजली उत्पादन के कारण यह मॉडल राजस्व उत्पन्न करने वाला भी बन सकता है।

JAIS UNIFORMS
JAISWAL WARDI WALE
Manufacturer and Traders of School and Corporate Uniforms

Shop : B-18/G3, B-Block (Near Gate No. 5), Main Market, Dilshad Garden, Delhi - 110095
Factory : A-41, Industrial Area, Dilshad Garden, Delhi - 110095
(M) : 9990871005 • 8383956200

सम्पादकीय

आतंक का सफाया

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है। हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बबार्दी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जह्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी। हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्घातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बबार्दी की कहानी लिखेगा। वहीं दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुस्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वत: के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत करती है। व्यक्ति,समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वत: से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है। आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है। कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आस्तिकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नास्तिकता को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नास्तिकता नरक को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है।

जयंती

असित सेन

जन्म: 13 मई, 1917, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश; मृत्यु: 18 सितम्बर, 1993) हिंदी सिनेमा के कॉमेडी किंग कहे जाते थे। उन्होंने चार दशक तक बॉलीवुड पर चरित्र अभिनेता और हास्य कलाकार के रूप में अपनी खास पहचान बनाकर दर्शकों को अपनी अदाओं से लोट-पोट होने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने 200 से अधिक बॉलीवुड फिल्मों में हास्य और चरित्र अभिनेता का किरदार निभाकर अपने अभिनय की अलग पहचान बनाई। असित सेन ने बांग्ला फिल्म 'अमानुष' और 'आनंद आश्रम' सहित अनुसंधान में भी काम किया।

पुण्यतिथि

बादल सरकार

जन्म: 15 जुलाई, 1925–मृत्य: 13 मई , 2011) अभिनेता, नाटककार, निर्देशक और इन सबके अतिरिक्त रंगमंच के सिद्धांतकार थे। उन्होंने तीसरा रंगमंच का सैद्धांतिक प्रतिपादन किया, और उसे मंच पर भी उतारा। बादल सरकार ने 'बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग' तथा 'टाउन प्लानिंग' में डिप्लोमा की शिक्षा भारत और विदेशों में ली थी। वह भारत के बहुचर्चित नाटककारों में एक थे। सातवें दशक में पूरे देश में उनकी धूम मची थी। मोहन राकेश, विजय तेंडुलकर और गिरीश कर्नाड के साथ बादल सरकार को मिलाने के बाद ही उस दौर का रंगपरिवेश संपूर्ण होता था। उनके नाटक भारी संख्या में हिन्दी में और अन्य भारतीय भाषाओं में मंचित हुए और वे बांग्ला की परिधि से बाहर निकल समग्रता में भारत के नाटककार और भारतीय रंगमंच के अगुआ बने। उन्होंने रंगमंच को प्रेक्षागृह की परिधि से बाहर निकाला। आंगन मंच का सिद्धांत रचा। कम से कम खर्च में नाटक मंचित करना और आमजन के लिए नाटक को नि:शुल्क उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य बना। सन 1956 में बादल सरकार ने अपना पहला नाटक 'सॉल्यूशन एक्स' लिखा।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आखिर भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बावजूद भारत की जीत के कुछ शानदार मायने क्या-क्या निकलते हैं?

-कमलेश पांडेय

> भारत का ऑपरेशन सिंदूर इस मायने में भी सफल प्रतीत हुआ कि भारत ने सिंधु जल संधि को निलबित कर रखा है। यह बात इसलिए भी अहम है, क्योंकि 1971 और कारगिल वॉर 1999 के दौरान भी संधि जारी रही थी। वैसे पिछले कुछ साल से भारत इस संधि की पुनर्समीक्षा करने की बात कह रहा है। लेकिन पानी के जरिये भारत ने पड़ोसी देश पर बड़ी कूटनीतिक बढ़त हासिल की है और उसे बेपानी कर दिया

भारत-पाकिस्तान के बीच अकस्मात भड़के युद्ध और उसके बाद भारत द्वारा अप्रत्याशित ढंग से पाकिस्तान की, की गई ठुकाई के बीच अमेरिकी दबाव या सद्भावना वश किए गए युद्ध विराम यानी सीजफायर के अपने-अपने मायने निकाले जा रहे हैं। इस बात को लेकर भले ही भारतीयों में नाराजगी है, लेकिन भारत सरकार के इस सूझबूझ भरे फैसले से दोतरफा बर्बादी का मंजर टल गया है। हालांकि मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध के बिल्कुल करीब पहुंच चुके भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही सीजफायर समझौता हो गया हो, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ जंग जारी रहेगी और निकट भविष्य में इसके किसी भी स्वरूप का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यदि कोई भारतीयों पर गोली दागेगा तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। यह आदेश भारत सरकार ने अपनी सेना और अर्द्धसैनिक बलों को दे दिया है।

वहीं, इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि युद्ध विराम के समझौते तक भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये काफी कुछ महत्वपूर्ण दृष्टिकोण हासिल किया, जो उसके भविष्य में काम आएगी। मेरा स्पष्ट विचार है कि आप चाहे मोदी प्रशासन और ट्रंफ प्रशासन के ऊपर जितने भी आरोप लगा लें, लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि भारत की तरह ही अब अमेरिका भी युद्ध नहीं विकास पर फोकस करना चाहता है ताकि चीन की अंतरराष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर काबू किया जा सके। इन नजरिये से भारत उसका महत्वपूर्ण सहयोगी है।

यही वजह है कि भारत के आक्रामक रवैये को देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत सरकार को आगाह किया कि यह दौर समझदारी से काम करने का है। क्योंकि से चीन तो भारत को भी रूस बनाना चाहता है और पाकिस्तान को यूक्रेन की तरह पिटवाना चाहता है। क्योंकि वह स्वयं तो युद्ध नहीं लड़ेगा लेकिन दोनों पड़ोसी देशों को आपस में उलझाकर रखेगा, ताकि भविष्य में ये उसे चुनौती देने लायक नहीं बचें। चूंकि डोनाल्ड ट्रम्प भारत को अपना भविष्य का सहयोगी मानता है और चीन के मजबूत विकल्प के रूप में देखता आया है, इसलिए ट्रम्प प्रशासन ने पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाकर इतना सक्रिय सहयोग किया।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि कोई भी देश युद्ध में नहीं फंसना चाहता है, खासकर भारत भी नहीं, लेकिन हमारा दुष्ट पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान दुनिया का एक मात्र देश है जहाँ सेना देश के लिए नहीं बनी है बल्कि देश सेना के लिए बना है, ताकि आतंकवाद के फैक्ट्री के रूप में पाकिस्तान का इस्तेमाल होता रहे। ऐसे में चीन निश्चित ही पाकिस्तान को अपने प्रॉक्सी के तौर पर इस्तेमाल करके भारत को लंबे युद्ध में धकेलने के प्रयास में बना हुआ था, जिसे अमेरिका ने विफल कर दिया।

ऐसा इसलिए संभव हुआ, क्योंकि अमेरिका तो पाकिस्तान का पुराना सहयोगी है, जिसपर अब चीन अपना शिकंजा कसना चाहता है। मैंने पूर्व में भी कई बार लिखा है कि पहलगाम सांप्रदायिक आतंकी हमला सिर्फ पाकिस्तान की अकेले की साज़िश नहीं है, बल्कि यह चीन ने पाकिस्तान से करवाया है टैरिफ वार के अमेरिकी प्रकोप से बचने के लिए, ताकि भारत, पाकिस्तान से युद्ध करे और वे अमेरिकी कंपनियां जिन्हें ट्रम्प सरकार चीन से भारत शिफ्ट कराना चाहते हैं, वह डर जायें और चीन में ही बनी रहें।

हालांकि, पाकिस्तान तब खुलकर नंगा हो गया जब पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने अपने एक साक्षात्कार में स्वीकार कर लिया कि पाकिस्तान यूरोप और अमेरिका के कहने पर आतंकवाद को समर्थन देता आया है। दरअसल, इसके पीछे पाकिस्तान की चाल यह थी कि वह किसी भी तरह से चीन से ध्यान डाइवर्ट करना चाहता था और उसने बढ़ते आतंकवाद के लिए यूरोप और अमेरिका को आगे कर दिया। जो एक हद तक सही भी है, लेकिन हाल के संदर्भ में यह नीति भारत को लेकर बदल गई महसूस होती है। यही वजह है कि भारत में लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर हमें इस युद्ध से क्या मिला? जबकि इस्लामिक आतंकवादियों ने हिंदुओं का नाम पूछ-पूछ कर मारा, मोदी को संदेश पहुंचाने तक को कहा, लेकिन हमने क्या किया? इसलिए अब यक्ष प्रश्न यह है कि पहले आप क्या कर रहे थे? शायद पहले हमलोग उन आतंकियों को खोजते थे जो घटना में शामिल होते थे और उनको न्यूट्रलाइज करते थे, पर फिर से आतंकियों की नई खेप तैयार हो जाती थी।

ऐसा इसलिए कि गरीब और मूर्ख मुसलमान बच्चा पैदा करने की फैक्ट्री हैं और आतंकियों के आका उनके बच्चों को बुलाकर मदरसे में दस साल तक ब्रेन वाश करके जितना आप मारते थे, उससे अधिक आतंकी खेप फिर से तैयार कर देते थे। लेकिन संभवतया अपने लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार भारत ने उन ठिकानों, उन लोगों और उन स्थानों को भी समाप्त किया है जहाँ से ये रक्तबीज राक्षस निकलते रहते हैं। पहली बार पीओके के अलावा पाकिस्तान के अंदर घुसकर ठुकाई की गई, जिससे पाकिस्तान दहशतजदा हो गया। शायद पहली बार पाकिस्तान के घर में घुसकर वैसे ही उन निर्दोष बच्चों और उनके आकाओं का वध किया गया, जैसे उन्होंने कि अपने ब्रेन वाश से जांबाजी पूर्वक हमारे निर्दोष बहनों की माँग का सिंदूर उजाड़ दिया और उनके बच्चों को अनाथ किया। सवाल है कि आखिर कब आपने सुना था कि कोई दुनिया का दुर्दांत आतंकी कह रहा है कि अच्छा होता कि मैं मर जाता। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की आक्रामकता के बाद पहली बार ये सुकूनदायक शब्द भारतीयों को सुनने को मिले, जो बहुत बड़ी बात है।

देखा जाए तो इस बार भारत ने पाकिस्तान सहित आतंकी दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि मैं अब आतंकवाद की नाभी पर हमला करूँगा और आतंकियों के बजाय आतंक की फैक्ट्री, उसके खानदान समेत उजाड़ी जाएगी। जबकि यह ठिकाने केवल पीओके के ठिकाने नहीं थे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय सीमा से दूर पाकिस्तान के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में बने हुए आतंकी ठिकाने थे। इसलिए पाकिस्तान, उसकी सरकार और सेना सब दहशत में आ गए। यहां पर आपको यह समझना होगा कि चीन,भारत और पाकिस्तान के बीच लंबा युद्ध चाहता था, जबकि भारत कभी भी युद्ध नहीं चाहता था। लेकिन चीन की शह पर पाकिस्तान ने एक और युद्ध में जाने को भारत को मजबूर किया तो, भारत ने भी दस गुना ज्यादा और तगड़ा जवाब दिया। जो चीन और पाकिस्तान की कल्पना से परे था। यदि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक नहीं आया होता तो भारत का रौद्र रूप कुछ भी करवा सकता था। यहां पर एक और बात गौर करनी होगी। भारत-पाक सीमित युद्ध 2025 से यह स्पष्ट हो चुका है कि अब तक जहाँ भारत को लग रहा था कि पूरा पाकिस्तान ही चीन की गोद में जा बैठा है, वहीं अब यह भी साफ हो चुका है कि पाकिस्तान को अमेरिका के उस प्रशासन के साथ भी बैठना होगा, जो प्रो इंडियन है और जिनके आने से भारत में फिर आंतरिक स्थिरता की बहाली सुनिश्चित हुई है।

वैसे तो चीन ने बीते दिनों तक यह खलनायकी प्रयास किया है कि पाकिस्तान किसी तरह से अमेरिका के दबाव से निकले और इस युद्ध को जारी रखे। लेकिन यह ट्रम्प प्रशासन की अपनी कुशल रणनीति थी कि उन्होंने पाकिस्तान को भारत की शर्त पर सीजफायर के लिए मजबूर किया। ऐसा इसलिए कि इस सीजफायर में सिंधु नदी जल समझौता को बीच में नहीं लाया गया, टेररिज्म को एक्ट ऑफ वार से बाहर निकालने का दबाव नहीं बनाया गया और दोनों देशों के बीच किसी तीसरे देश की प्रत्यक्ष एंट्री नहीं कराई गई।

इसलिए युद्ध विवाद के निष्पादन में भारत अमेरिका सहयोग के अलावा कुछ अन्य बातें काफी मायने रखती हैं, जिन्हें हमें जानना-समझना चाहिए। वह यह कि भारत ने बदला तो उरी आतंकी हमला और पुलवामा आतंकी हमला का बदला भी सर्जिकल स्ट्राइक करके लिया था। लेकिन इस बार की सर्जिकल स्ट्राइक ज्यादा तीव्र और घातक रही। इस दफे भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब तक में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें 100 आतंकवादी मारे गए और पाकिस्तान के लगभग 4 दर्जन से ज्यादा सैनिक भी हलाक हुए।

वहीं, अब यह भी स्पष्ट हो गया कि भले ही भारत-पाकिस्तान के मामले में यह डर हमेशा से रहता आया है कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं और इनके बीच का टकराव परमाणु युद्ध तक पहुंच सकता है। हाल के दिनों तक तो पाकिस्तान ने इस नैरेटिव को दुनिया में खूब बेचा और फायदा भी उठाया। लेकिन, पिछले एक दशक में इसमें और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की भारत की सैन्य रणनीति में काफी बदलाव आया है। क्योंकि अब नया भारत एलओसी से भी नहीं हिचकता। इस बार तो सौ किमी अंदर तक घुसकर उसने एक नया ट्रेंड भी सेट किया, जो भारत की मजबूती को दर्शाता है।

भारत का ऑपरेशन सिंदूर इस मायने में भी सफल प्रतीत हुआ कि भारत ने सिंधु जल संधि को निलबित कर रखा है। यह बात इसलिए भी अहम है, क्योंकि 1971 और कारगिल वॉर 1999 के दौरान भी संधि जारी रही थी। वैसे पिछले कुछ साल से भारत इस संधि की पुनर्समीक्षा करने की बात कह रहा है। लेकिन पानी के जरिये भारत ने पड़ोसी देश पर बड़ी कूटनीतिक बढ़त हासिल की है और उसे बेपानी कर दिया।

चर्चा है कि अभी तक तो भारत की कोशिश यही होती थी कि पाकिस्तान को सबूत सौंपकर रास्ते पर लाने की कोशिश की जाए, उस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दबाव बनाया जाए। लेकिन इस बार पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली ने दबाव तो बनाया, लेकिन उसके साथ ही खुद एक्शन लेकर दो टूक बता दिया कि उसके पास और भी विकल्प हैं, जिसे वो आजमाने में कभी नहीं हिचकिचाएगा।

इस युद्ध विराम की सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि अब से हर आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा और यह पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। पाकिस्तान को इसके बाद अपने यहां के आतंकवादियों को कंट्रोल करना पड़ेगा। यदि पाकिस्तान ऐसा नहीं करता है तो भारत ने संकेत दिया है कि वह आगे भी पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा और युद्ध विराम के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा या नियंत्रण रेखा पर चलने वाली किसी भी गोली का जवाब गोले से देगा। क्योंकि इस सीमित युद्ध ने भारत की मॉडर्न वॉरफेयर क्षमता साबित हो चुकी है। भारत ने दुनिया को यह भी दिखाया कि उसका डिफेंस सिस्टम कितना मजबूत है। क्योंकि देश की उत्तरी और पश्चिमी सीमा पर उसने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमलों को बुरी तरह से नाकाम किया और जबरदस्त पलटवार किया, जिससे पाकिस्तान की सेना को भारी क्षति पहुंची। एक और महत्वपूर्ण बात यह निकलकर सामने आई है कि, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आर्मी और चुनी हुई सरकार का अंतर्विरोध भी स्पष्ट रूप से सामने आ गया। इसलिए जब राजनीतिक नेतृत्व से बात नहीं बनी तो अमेरिका ने समझौते का दबाव बनाने के लिए पाकिस्तान के आर्मी चीफ से बात की। इन सबके बावजूद यदि आपको प्रतीत होता है कि पाकिस्तान को आप गाजा या यूक्रेन की तरह तबाह करेंगे तो शायद ऐसा होता नहीं है। क्योंकि गाजा के बीस-तीस किलोमीटर की पट्टी ने ही जब इजरायल को परेशान कर रखा है, वहीं पाकिस्तान बहुत विस्तृत व अप्राकृतिक देश है। भारत की सेना उसके नागरिकों पर हमले करती भी नहीं है। जबकि पाकिस्तान भारत को अस्थिर रखने के तमाम प्रयासों में शामिल है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि किसी बड़े युद्ध की तरफ जाना खासकर तब जब भारत की आबादी अभी युवा है और अगले पंद्रह बीस साल में बुजुर्गियत की तरफ जाएगी, उचित नहीं है। इसलिए जब परिस्थिति हमें युद्ध की तरफ खिचेगी तो हम अवश्य लड़ेंगे लेकिन हम जबरदस्ती इसमें नहीं पड़ेंगे। इसलिए ट्रम्प प्रशासन धन्यवाद का अधिकारी है, चाहे हमें यह बात सुनने में अच्छा लगे या बुरा। पर सच, सच होता है। उसे समझने और स्वीकार करने से हिचकना नहीं चाहिए। वास्तव में पाकिस्तान एक ऐसा नंगा देश है, जिसकी एक अपनी अलग दुनिया है जिसका वह एकमात्र सबसे बड़ा विजेता है। वह है आतंकवाद। दरअसल, वह जॉम्बी हैं, उनके दुनिया में वह सन 1971, 1999 और 2025 सभी युद्ध जीत चुका है। आप जॉम्बीज की दुनिया को अपने धारणा से नहीं चला सकते। इसलिए बेहतर होगा कि किसी प्रकार के भावावेश से बचें और अपने सशक्त व सजग नेतृत्व पर भरोसा रखें। क्योंकि वह दूर दृष्टि से प्रत्येक वह कार्य करेंगे जो उनके शायद जाने के बाद भी भारत को विकसित देश बनाने का कार्य करती रहेगी।

इस लिहाज से भी भारत-पाकिस्तान युद्ध और फिर सीजफायर का यह घटनाक्रम भारत के लिए ऐतिहासिक महत्व वाला साबित हुआ है। इस दौरान भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हम रक्तबीजों को नहीं बल्कि उसके फैक्ट्री चलाने वालों को मारेंगे। जैसे वो हमारे परिवार के निदोर्षों तक को मारते हैं वैसे ही तुम्हारा भी घर खानदान जड़मूल से समाप्त करेंगे। यह कोई साधारण बात नहीं है। इसके लिए मोदी सरकार का आभारी देशवासियों को रहना चाहिए। नहीं भी रहें, तो कम से कम चीन प्रेरित आलोचना से बचें।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

हमने न्यूक्लियर वॉर को रोका, मुझे गर्व है-ट्रंप

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि शनिवार को मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल युद्धविराम कराने में मदद की, मुझे लगता है कि यह स्थायी युद्धविराम होगा-जिन देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं। ट्रंप ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत और पाकिस्तान का नेतृत्व अडिग और शक्तिशाली था, लेकिन दोनों मामलों में अडिग-वे वास्तव में स्थिति की गंभीरता को पूरी तरह से जानने और समझने के लिए शक्ति, बुद्धि और धैर्य रखने के दृष्टिकोण से अडिग थे। और हमने बहुत मदद की, और हमने व्यापार में भी मदद की। मैंने कहा चलो, हम आपके साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। इसे रोकते हैं, इसे रोकते हैं। यदि आप इसे रोकेंगे तो हम व्यापार करेंगे। यदि आप इसे नहीं रोकेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। लोगों ने कभी भी व्यापार का उस तरह से उपयोग नहीं किया जैसा मैंने किया। मैं आपको बता सकता हूं कि अचानक उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमें रुकना चाहिए और उन्होंने ऐसा किया। हमने परमाणु संघर्ष को रोका। मुझे लगता है कि यह एक बुरा परमाणु युद्ध हो सकता था। लाखों लोग मारे जा सकते थे। मैं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

ट्रंप ने कहा कि हम पाकिस्तान के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम भारत के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम अभी भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम जल्द ही पाकिस्तान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं।

अमेरिकी तकनीक तक पाक कंपनी ने बनाई पहुंच

(एजेन्सी)।

ओबैदुल्ला सैयद के स्वामित्व वाली बिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (बीएसआई) नामक एक पाकिस्तानी भू-स्थानिक कंपनी ने कोलोराडो में एक अमेरिकी-आधारित कंपनी से अवैध रूप से सैटेलाइट इमेजरी खरीदी और फिर इसे परमाणु हथियार विकास से जुड़ी एजेंसियों सहित पाकिस्तानी सरकार को बेच दिया। यूएस होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन ने 2020 में इस गतिविधि का खुलासा किया और पाया कि सैयद और उसकी कंपनी के पाकिस्तान के परमाणु ऊर्जा आयोग और राष्ट्रीय विकास परिसर के साथ गहरे संबंध थे। PAEC और NDC पाकिस्तान के रक्षा और परमाणु कार्यक्रम की दो शक्तिशाली शाखाएँ हैं और परमाणु हथियार और मिसाइल सिस्टम बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। सैयद की हरकतों ने अमेरिकी निर्यात कानूनों का उल्लंघन किया क्योंकि उन्होंने अमेरिकी इकाई सूची में सूचीबद्ध पाकिस्तानी रक्षा और परमाणु संस्थाओं को उपग्रह इमेजरी और सेवाएँ निर्यात कीं, जो स्पष्ट अमेरिकी सरकार की मंजूरी के बिना ऐसे लेन-देन पर रोक लगाती हैं। वह अमेरिकी वाणिज्य या राज्य विभागों से आवश्यक निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने में विफल रहा, जो प्रतिबंधित या प्रतिबंधित संस्थाओं को संवेदनशील या दोहरे उपयोग वाली तकनीक हस्तांतरित करने के लिए अनिवार्य हैं। सैयद को 2022 में अमेरिकी निर्यात कानूनों का उल्लंघन करने के लिए जेल भेजा गया था, उनकी कंपनी इरक को बाद में कोलोराडो में स्थित शीर्ष उपग्रह इमेजरी फर्मों में से एक मैक्सार टेक्नोलॉजीज के भागीदार के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। यह चिंताजनक है क्योंकि, मैक्सार भागीदार बनने के बाद, इरक के पोर्टल ने कश्मीर के पहलगाम की उपग्रह छवियों का ऑर्डर देने में अचानक रुचि दिखाई। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह 22 अप्रैल, 2025 को वहां हुए आतंकी हमले से ठीक दो महीने पहले की बात है जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

इसने जांचकताओं के बीच चिंता पैदा कर दी, यह सुझाव देते हुए कि छवियों का इस्तेमाल आतंकी हमले से पहले प्री-स्ट्राइक निगरानी के लिए किया गया हो सकता है। बीएसआई ने यह छुपाया या खुलासा करने में विफल रहा कि उपग्रह इमेजरी का उद्देश्य पाकिस्तान की सैन्य और परमाणु एजेंसियों द्वारा उपयोग करना था, जो एक ऐसा कार्य है जिसे अमेरिकी निर्यात नियंत्रणों के जानबूझकर उल्लंघन के रूप में देखा जा सकता है। रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मैक्सार ने अपने पार्टनर पेज से बीएसआई को हटा दिया और इस बात से इनकार किया कि बीएसआई ने पहलगाम की तस्वीरें मंगवाई थीं। समाचार एजेंसी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मैक्सार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि बीएसआई को पार्टनर के रूप में सूचीबद्ध करने से पहले कोई उचित जांच-पड़ताल की गई थी या साझेदारी औपचारिक रूप से खत्म हो गई है।

जानें इस सप्ताह कब रहेगी बैंक की छुट्टी

(एजेन्सी)।

भारत के अलग अलग राज्यों में मई के दूसरे सप्ताह में विभिन्न त्योहारों के कारण छुट्टी रहने वाली है। ऐसे में आम जनता को परेशानी से बचने के लिए पहले ही तैयारी कर लेनी चाहिए। इस सप्ताह सोमवार को हिंदू धार्मिक त्यौहार के कारण कुछ बैंकों में छुट्टी रहेगी।

बता दें कि 12 मई को कई राज्यों में बुद्ध पूर्णिमा मनाई जा रही है जिसको देखते हुए बैंक बंद रखे जाएंगे। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक ने भी छह दिन की छुट्टियां निर्धारित की है, जो मई के महीने में होंगी। वहीं मई 2025 में रविवार, दूसरे और चौथे रविवार को भी बैंक बंद रहेंगे। आगामी सप्ताह में बैंक इन दिनों में बंद रहने वाले है।

इस सप्ताह इन दिनों बैंक रहेंगे बंद

11 मई (रविवार)-भारतीय स्टेट बैंक समेत सभी बैंकों में रविवार को साप्ताहिक अवकाश होता है।

12 मई (सोमवार)-12 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पूरे भारत में बैंक बंद रहेंगे। अगरतला, आइजोल, बेलापुर, भोपाल, देहरादून, ईटानगर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रांची, शिमला और श्रीनगर के अलावा अन्य राज्यों में भी सभी बैंक बंद होंगे।

16 मई (शुक्रवार)-राज्य दिवस-राज्य दिवस को देखते हुए 16 मई को सिक्किम भर में बैंक बंद रहेंगे।

18 मई (रविवार)-साप्ताहिक अवकाश

मई 2025 में बैंक अवकाश-पूरी सूची देखें

24 मई (शनिवार)-चौथे शनिवार के लिए साप्ताहिक अवकाश

25 मई (रविवार)-साप्ताहिक अवकाश

26 मई (सोमवार)-काजी नजरुल इस्लाम का जन्मदिन-काजी नजरुल इस्लाम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में त्रिपुरा में बैंक बंद रहेंगे।

29 मई (गुरुवार)-महाराणा प्रताप जयंती-महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

बैंक बंद होने पर ऐसे करें काम: जब अलग अलग कारणों से बैंक में छुट्टी होगी तो ग्राहक बैंकिंग ऐप, नेट बैंकिंग और एटीएम के जरिए राशि निकाल सकते हैं। ये सभी सुविधाएं सार्वजनिक अवकाशों के बावजूद उपलब्ध रहती हैं, जब तक कि बैंक तकनीकी समस्याओं या रखरखाव के कारण बंदी की सूचना न दे। हालाँकि, आप चेक और वचन पत्र पर लेनदेन नहीं कर पाएंगे, क्योंकि ये परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत आते हैं, और छुट्टियों के दौरान उपलब्ध नहीं होते हैं।

भारत में बैंकों की छुट्टियां राष्ट्रीय और धार्मिक उत्सवों के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्यों में अलग-अलग होती हैं। इसलिए ग्राहकों के लिए, अपने नजदीकी स्थानीय बैंक शाखा से छुट्टियों की पुष्टि की गई अनुसूची प्राप्त करना और विशेष तिथियों पर किसी भी विस्तारित बंद या आपात स्थिति से निपटने के लिए व्यवस्था करना सबसे अच्छा है।

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

(एजेन्सी)। नीरज चोपड़ा 16 मई को प्रतिष्ठित डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में तीन अन्य हमवतन खिलाड़ियों के साथ हिस्सा लेंगे। वहीं ये किसी डायमंड लीग प्रतियोगिता में भारत के सबसे अधिक प्रतिभागी हैं। ये डायमंड लीग में भारत के सबसे ज्यादा प्रतिभाशाली हैं। 2023 में इस प्रतियोगिता में 88.67 मीटर के साथ खिताब जीतने वाले नीरज चोपड़ा 2024 में 88.26 मीटर के साथ दूसरे नंबर पर रहे थे। अब वह पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेने जा रहे हैं। किशोर जेना ने 2024 में भी भाग लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ नौवां स्थान हासिल किया था। पुरुषों की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, 2024 के विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज, जर्मनी के जूनियन वेबर और मैक्स डेहिंग, केन्या के जूलियस येगो और जापान के रोडरिक डीन जैसे सितारे शामिल होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य दो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह हैं जो पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में डाइमंड लीग में पदार्पण कर रहे हैं। पारुल चौधरी महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग ले रही हैं। इस स्पर्धा में वह राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं।

रणवीर सिंह, वरुण धवन, मृणाल ठाकुर ने 'दादा' के निधन पर शोक जताया

(एजेन्सी)।

प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ का शनिवार को मुंबई में 65 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से मेकअप आर्टिस्टी के एक युग का अंत हो गया, जहां उनके हुनर ने अनगिनत फिल्मी किरदारों को स्क्रीन लीजेंड में बदल दिया। इस खबर ने इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ा दी और आमिर खान, रणवीर सिंह, मृणाल ठाकुर और अन्य सहित कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। आमिर खान, रणवीर सिंह, परिणीति चोपड़ा और अर्जुन कपूर सहित कई बॉलीवुड अभिनेताओं ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विक्रम गायकवाड़ को श्रद्धांजलि दी और अपना दुख व्यक्त किया।

तारे जमीन पर के अभिनेता आमिर खान ने 'आमिरखानप्रोडक्शंस' के इंस्टाग्राम हैंडल से एक नोट साझा किया और लिखा, 'यह बहुत दुख की बात है कि हम महान मेकअप आर्टिस्ट विक्रम गायकवाड़ को अलविदा कहते हैं। मुझे उनके साथ दंगल, पीके और रंग दे बसंती जैसी फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला। वह अपने हुनर के सच्चे उस्ताद थे और उनके काम ने कई अभिनेताओं को अविस्मरणीय किरदारों में बदल दिया, जिन्हें स्क्रीन पर हमेशा प्यार किया जाएगा। मेरे और AKP के सभी लोगों की ओर से परिवार को हार्दिक संवेदना। हम आपको याद करेंगे दादा।'

इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इश्कजादे अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, 'जब हमने साथ में पानीपत की थी, तो दादा का जादू देखने और उनकी प्रशंसा करने का आनंद मिला। एक सौम्य आत्मा, जिसमें प्रतिभा का एक शानदार प्रदर्शन था,' साथ में हाथ जोड़कर इमोजी भी लिखा।

विराट कोहली के संन्यास पर भावुक हुईं पत्नी अनुष्का शर्मा

(एजेन्सी)।

सोमवार 12 मई का दिन क्रिकेट फैंस के लिए बेहद मायूसी वाला रहा। क्योंकि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अपने 14 साल के लंबे टेस्ट करियर के अंत का ऐलान उन्होंने खुद सोशल मीडिया के द्वारा दिया। वहीं कोहली के संन्यास पर हर कोई हैरान है, फिर चाहे वो साथी क्रिकेटर्स हो या फैंस। इसी कड़ी में उनकी पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने भी कोहली के संन्यास पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि, लोग आपके रिकॉर्ड और माइलस्टोन के बारे में बात करेंगे, लेकिन मुझे वे आंसू याद रहेंगे जो आपने कभी नहीं दिखाए। वे संघर्ष जो किसी ने नहीं देखे, और वह अटूट प्यार जो आपने खेल के इस फॉर्मेट को दिया। मुझे पता है कि इन सबने आपसे कितना कुछ छीन लिया। हर टेस्ट सीरीज के बाद आप थोड़े समझदार, थोड़े विनम्र होकर लौटे। आपको इन सबके माध्यम से विकसित होते देखना सौभाग्य रहा है। मैंने ये सोचा था कि आप सफेद जर्सी में खेलते हुए संन्यास लेंगे, लेकिन आपने अपने दिल की सुनी। मैं बस ये कहना चाहती हूं कि आपने ये सब कमाया है। विराट कोहली पिछले साल के अंत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया गए थे। 5 मैचों की इस सीरीज में भारत को 1-3 से हार मिली थी। सीरीज का आखिरी टेस्ट सिडनी में खेला गया था।

कोहली ने 5 मैच की 9 पारियों में 23.75 की औसत से 190 रन बनाए थे। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में विराट कोहली ने नाबाद 100 रन बनाए थे। इसके बाद अगले 4 मैच में उनका बल्ला नहीं चला था।

पुरुषों के लिए हेयर ऑयल

पसीनें की वजह न सिर्फ त्वचा की नमी और चमक जाने लगती है। पसीने और चिपचिपाहट की वजह से बाल भी रुखे और बेजान लगने लगते हैं। खासकर पुरुषों के साथ यह समस्या बहुत ज्यादा होती हैं। इसलिए कई पुरुष गर्मी आते ही तेल लगाना छोड़ देते हैं, मौसम बदलते ही तेल लगाना न छोड़े अपने बालों के अनुसार तेल चुने और लगाएं। इससे बालों को पोषण मिलने के साथ ही गर्मी में आपको सुकून मिलेगा। आइए जानते है कि पुरुषों को अपने बालों के अनुसार कौनसा तेल लगाना चाहिए।

जोजोबा ऑयल

सूखे और डेमेज्ड हेयर के लिए जोजोबा ऑयल सूखे और डेमेज्ड, ड्रेंडफ से भरे हुए बालों को सही करने का काम करता है। यह एक तरह से नॉन स्टिकी और नॉन ग्रीसी ऑयल होता है, यह बालों में सीरम की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टिरियल गुण मौजूद होते हैं जो बालों के जड़ों में अवशोषित होकर जड़ों को रिपेयर करने का काम भी करते हैं।

नारियल का तेल

सभी तरह के बालों के लिए नारियल का तेल हमारे देश में मुख्यत यूज में लिया जाता है। यह बहु उद्देश्यी तेल है जो कि हर तरह का बालों में लगाया जा सकता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने के साथ ही यह आपके जड़ों में से ड्रेंडफ हटाने के अलावा बालों को पोषण देने के साथ ही चमकदार बनाता है।

ऑलिव ऑयल

सेंसिटिव बालों के लिए यह एक तरह से बालों के लिए बहुत ही अच्छा कंडीश्नर है। यह कभी भी बालों में किसी तरह का एर्लीजिक रिएक्शन को नहीं बढ़ाता है। यह हर तरह के सेंसेटिव बालों में सूट हो जाता है। यह जड़ों को हेल्दी बनाए रखता हैं।

आईलाइनर को स्मज होने से बचाएं

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करता है। इससे आंखें और भी बड़ी व अट्रैक्टिव नजर आती है। ऐसे में लड़कियां अपनी डेली रूटीन में ब्लैक आईलाइनर को अलग-अलग तरीकों से लगाना पसंद करती है। इसके अलावा पार्टी या खास मौके पर कई लड़कियां कलर्ड लाइनर भी यूज करती है। मगर ज्यादा इसके स्मज यानी फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में लुक खराब होने की चिंता रहती है। साथ ही कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी इन समस्याओं से परेशान है तो आज हम आपको लंबे समय तक आईलाइन टिका रहने के कुछ टिप्स बताते हैं।

टोनर करें इस्तेमाल

आईलाइनर लगाने से आंखों को टोनर की मदद से साफ करें। इससे आंखों के आसपास जमा एक्सट्रा आयल व गंदगी साफ होने में मदद मिलेगी। ऐसे में लाइनर आसानी से लगने के साथ फैलने का खतरा कम रहेगा।

प्राइमर करें यूज

अपनी आईलिड पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए प्राइमर लगाएं। उसके बाद इसपर आईलाइनर लगाएं। इससे आपका लाइनर लंबे समय तक टिका रहेगा। साथ ही इसे लगाने में भी आसानी होगी।

सही आईलाइनर का करें चुनाव

बाजार में अलग-अलग तरह के आईलाइनर मिलते हैं। ऐसे में आप इसे अपनी स्किन टाइप के हिसाब से खरीद सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी स्किन ड्राई या नार्मल है तो आप लिक्विड, क्रीम बेस्ड या पेंसिल आइलाइनर ले सकती है। इसके विपरीत ऑयली स्किन वालों के लिए जेल लाइनर बेस्ट रहेगा। ये जल्दी स्मज नहीं होंगे। ऐसे में आंखों की खूबसूरती बरकरार रहेगी।

वाटरप्रूफ आईलाइन खरीदें

आईलाइन खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वो वाटरप्रूफ हो। ये लंबे समय तक लगे रहने के साथ आंखों को नुकसान होने से भी बचाता है।

पहले करें लैशेज कर्ल

अगर आप आईलाइनर लगाने के बाद लैशेज कर्ल करती है तो अपनी इस आदत को बदल लें। असल में,कर्लर का सिलिकॉन पैड कुछ पिगमेंट को दूर करता है। ऐसे में लंबे समय तक आईलाइनर टिका रहने में मदद मिलती है। इसलिए हमेशा पहले लैशेज को कर्लर की मदद से गोल करें। उसके बाद ही आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

शिशु की त्वचा से बाल हटाने के उपाय

आटा और सरसों का तेल

चार चम्मच गेहूं के आटे में दो-तीन चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। इसको थोड़ा सा पानी डालकर गूंध लें और इसकी लोई यानी बॉल बना लें। शिशु की मालिश के बाद इस लोई में हल्का सा तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे मलें। ऐसा कुछ दिनों तक लगातार करने से बाल हटने लगेंगे। अगर बच्चे को सरसों का तेल सूट नहीं करता है तो इसके लिए आप उस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे आप शिशु के शरीर की मालिश करती हैं।

आटा, हल्दी और बादाम का तेल

तीन-चार चम्मच आटे में आधा चम्मच हल्दी और दो चम्मच बादाम का तेल डालकर गुंध लें। इसकी मुलायम लोई बनाएं जो शिशु के शरीर पर चिपके नहीं, इस लोई में हल्का सा बादाम का तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से मलें। चेहरे के बाल हटाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बेसन, दूध और हल्दी

शिशु के शरीर से बाल हटाने के लिए आप बेसन, दूध और हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। तीन-चार चम्मच बेसन में चौथाई चम्मच हल्दी और दो-तीन चम्मच दूध मिलाकर आटे की तरह गूंध लें। इसकी लोई बनाकर धीरे-धीरे शिशु के शरीर पर मलें। इस प्रक्रिया को शिशु की मालिश के बाद रोज़ाना दस-बारह मिनट तक दोहराएं। कुछ दिनों में शरीर से बाल हटने लगेंगे। दो चम्मच चंदन पाउडर में दो चुटकी हल्दी मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को शिशु की शरीर पर हल्के हाथों से लगाएं। जब ये थोड़ा सूख जाये तो धीरे-धीरे मलते हुए इस पेस्ट को शिशु के शरीर से हटाएं। इसके बाद उसके शरीर को गीले कपड़े से साफ कर दें या नहला दें।

मसूर दाल, ऑलिव ऑयल और दूध

दो चम्मच मसूर दाल को रात को पानी में भिगो दें। सुबह इसको महीन पीस कर इसका पेस्ट बना लें। इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाएं। इस पेस्ट को शिशु के शरीर पर लगाकर आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से मलते हुए इसे शरीर से हटा दें।

ऐसे करें गुलाब जल का इस्तेमाल

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए, आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं और रात भर के लिए ऐसे ही छोड़ दें.

डार्क स्पॉट्स को हटाने के लिए

डार्क स्पॉट्स को हटाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं और 5 बूंदें नीबू के रस की मिलाएं. इस मिक्सचर को अपने चेहरे पर आधे घंटे के लिए फेस पैक की तरह से लगाएं और सूखने पर चेहरा धो लें.

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए, आप एक चम्मच बेसन में, एक चम्मच दही मिलाएं और उसमें 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. इसको अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह अप्लाई करें. इसके 20 मिनट बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

चेहरे पर ताजगी के लिए

चेहरे पर नमी और ताजगी के लिए, आप तीन चार चम्मच गुलाब जल को आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में रख दें. जब यह आइस क्यूब जम जाए, तो इसको निकाल कर, इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से रब करें. इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा, स्किन में कसाव आएगा साथ ही चेहरे पर नमी और ताजगी बनी रहेगी.

स्किन में ग्लो लाने के लिए

स्किन में ग्लो लाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 20 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस मास्क की तरह अप्लाई करें. इसके लगाने के 20 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें.

धूप से स्किन झुलसने पर

गर्मी में धूप की वजह से अगर चेहरे की स्किन झुलस जाए, तो इसके लिए आप रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई के ज़रिये अपने चेहरे पर लगाएं. पूरी रात इसे ऐसे ही लगा रहने दें. चेहरे की रंगत निखारने के लिए चेहरे की रंगत निखारने के लिए, आप एक चम्मच चंदन पाउडर में, दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं, इसमें एक चुटकी भीमसैनी कपूर भी मिला लें. इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं और सूखने तक ऐसे ही छोड़ दें. इसके बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

घूमना-फिरना ज़िंदगी का अहम हिस्सा

हर किसी के जीवन में घूमने-फिरने का अलग समय महत्व होता है। हालांकि जीवन के सबसे यादगार पल किसी ना किसी वेकेशन के तो होते ही हैं। कई सारे लोग ऐसे होते हैं जिनको घूमना फिरना पसंद नहीं होता कुछ ऐसे होते हैं जिनको हर 3 -4 महीने में उनका घूमने का प्लान बन ही जाता है। बात अगर ख़ास कर उनकी करें जिन्हे घूमने फिरने में कोई दिलचस्पी नहीं है या जो कहते हैं कि घूमने टाइम वेस्ट होता है उनके लिए ये जरूरी है कि घूमना क्यों जरूरी है।

ट्रैवल में आप अपनी ताकत, कमजोरी, इंपोर्टेंस को समझते हैं। आपको अपने आप को जानने का मौका मिलता है। अन्य जगहों के बारे में जानने का मौका मिलता है। पर्सनल ग्रोथ को इंहेंस करने के लिए ट्रैवलिंग बहुत जरूरी है। घूमने से आप अपने रोजाना के रूटीन से हट कर कुछ करते हैं। जो आपको आपके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने में मदद करता है। जिसकी मदद से आप ज्यादा फ्री महसूस करते हैं। सेल्फ डेवलपमेंट हर इंसान के लिए ज़रूरी होता है। तो इसलिए हर इंसान को घूमने फिरने के लिए अपने सेल्फ डेवलपमेंट के ट्रिप प्लैन करना चाहिए।

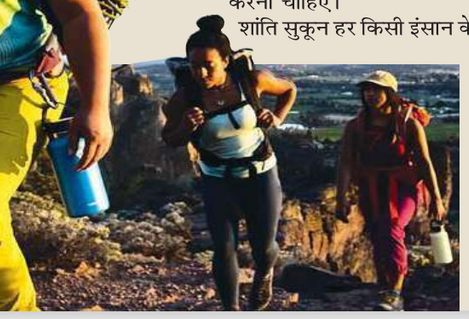

शांति सुकून हर किसी इंसान के ज़िन्दगी में मायनें रखता है। रोजाना के रूटीन में हर किसी का अपना एक शेड्यूल होता है। जो कई बार स्ट्रेस से भरा हुआ होता है। हम अपनी आत्मशांति खो देते हैं। हर किसी के ज़िन्दगी में एक ऐसा पल होता है जिससे वह निकलना चाहता है इन सब के लिए आपको एक पल शांति सुकून के नाम करना चाहिए। ऐसे में ट्रैवलिंग अच्छा ऑप्शन है, जो आपको घूमने फिरने नई जगहों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। ट्रैवलिंग टेंशन को दूर करने में मदद करेगा। ट्रैवलिंग से ना केवल मन की शांति मिलती है बल्कि, यह आपके दिमाग को भी पूरी तरह से एक्सपेंड करता है, आप चीज़ों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

ध्यान दें: वैक्सीनेशन के बाद साइड इफेक्ट्स को न करें नजरअंदाज

वैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के साथ दर्ज किए गए सबसे आम इफेक्ट्स में फ्लू जैसे लक्षण शामिल हैं और ये अपेक्षित हैं। साथ ही ये प्रतिक्रियाशील माने जाते हैं। वैक्सीनेशन के बाद ये लक्षण नजर आएं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए न कि अपनी मर्जी से कोई दवा लेनी चाहिए।

वैक्सीन जब शरीर में अपने असर दिखाती है, तो इस दौरान कई साइड इफेक्ट्स नजर आते हैं। ऐसे में शरीर में दर्द और थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। हमें इनसे घबराना नहीं है, बल्कि डॉक्टर द्वारा दी गई दवा का सेवन करें और अच्छे से आराम करें क्योंकि 2-3 दिनों में ये दिक्कतें दूर हो जाती हैं। कोरोना की वैक्सीन लेने के बाद जिस तरह कई व्यस्कों में बुखार आना देखा गया था, तो ठीक ऐसे ही माना जा सकता है कि बच्चों में हल्का या तेज बुखार आने जैसी दिक्कतें देखी जा सकती हैं, क्योंकि वैक्सीन अपना असर दिखाती है। ऐसे में डॉक्टर की निगरानी में रहें और अपने मन से किसी भी दवा का सेवन न करें।

उम्मीद की जा सकती है कि जिस जगह पर बच्चों को कोरोना का इंजेक्शन लगेगा, वहां उन्हें दर्द हो सकता है। जैसे व्यस्कों को हुआ था। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे को ज्यादा से ज्यादा आराम कराया जाए और कुछ दिन बाद ये दर्द छूमंतर हो जाता है।

क्या होते हैं ई-सिगरेट में?

ज्यादा से ज्यादा युवा ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें पारंपरिक धूम्रपान के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है। हालांकि यह भ्रामक प्रचार है, क्योंकि इनकी वैपिंग में करीब दो हजार रसायन होते हैं और इनमें से ज्यादातर रसायन ऐसे हैं, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इनमें बहुत से औद्योगिक रसायन और कैफीन शामिल हैं। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के हालिया शोध के मुताबिक, यद्यपि ई-सिगरेट में सिगरेट वाले तत्व काफी कम होते हैं और इन्हें सिगरेट के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन इन्हें कंबस्शन टेंपरेचर से कम पर जलाया जाता है, इसलिए इस बात के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलते हैं कि यह सिगरेट के मुकाबले में ज्यादा सुरक्षित है।

इसमें कहा गया है कि वैपिंग करने वालों को यह भी नहीं पता है कि वह जिस प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं, अभी उसके खतरों के बारे में पूरी जानकारी भी नहीं है। इन रसायनों से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। अध्ययन में छह संभावित हानिकारक पदार्थों की पहचान की गई है, जिनमें तीन ऐसे रसायन शामिल हैं जो पहले कभी ई-सिगरेट में नहीं पाएग ए थे। चार उत्पादों में से दो में उत्तेजक कैफीन शामिल मिला है। अध्ययन में आगे कहा गया है कि पहले भीई-सिगरेट में कैफीन मिली है, लेकिन केवल कॉफीव चॉकलेटफ्लेवर वाले ई-सिगरेट में। कंपनियों ने बिना बताए ही धूम्रपान करने वालों को ज्यादा किक देने के लिए ई-सिगरेट में इसे मिलाया होगा। कैफीन के अलावा, शोधकर्ता ओंने तीन औद्योगिक रसायनों, एक कीटनाशक और दोफ्लेवर की पहचान की, जिनका जहरीला प्रभाव हो सकता है या सांसों में जलन होती है। शोध में वैपिंग लिक्विड में हजारों अज्ञात रसायन पाए गए और एरोसोल में कंपाउंड्स की संख्या और भी बढ़ गई। इसके अलावा, आमतौर पर कंबस्शन से जुड़े संघनित हाइड्रोकार्बन जैसे कंपाउंड भी पाए गए, जबकि निर्माता ने दावा करते हैं कि वैपिंग में ऐसे कंपाउंड नहीं हैं। पारंपरिक सिगरेट में कंबस्शन के दौरान उत्पन्न संघनित हाइड्रोकार्बन विषाक्त होते हैं। ई-सिगरेट पर जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी का शोध इस मामले में पुराने अध्ययनों से अलग है कि इसमें पारंपरिक सिगरेट में पाए जाने वाले खतरनाक रसायनों के प्रमाण विशेषरूप से परखे गए। नए शोध में वैपिंग लिक्विड और एरोसोल में पाए जाने वाले सभी रसायनों का विश्लेषण किया गया। शोध के दौरान क्रोमैटोग्राफी और हाई रेजोल्यूशन स्पेक्ट्रोमेट्री के जरिये वैप सैंप्ल को टेस्ट किया गया। यह केमिकल फिंगरप्रिंटिंग की तकनीक है, जिसका प्रयोग पानी, भोजन और खून में विभिन्न कार्बनिक तत्वों की पहचान के लिए होता है। इसमें एमआई-साल्ट, वुसु, जूल और ब्लू के टोबैको फ्लेवर वाले लिक्विड को परखा गया।

कारपेट पर लगे हेयर डाई के दाग करें रिमूव

बालों को कलर करने का फैशन काफी ज़ोरों पर है। फिर भले ही सफेद बालों को डाई करना हो या फिर बालों के नेचुरल कलर पर अपने पसंद का कलर अप्लाई करना हो। ऐसे में हर बार पार्लर जाना तो मुमकिन होता नहीं है, इसलिए लोग ज्यादातर घर में ही बालों को डाई कर लेते हैं। लेकिन कई बार बालों को कलर करते समय डाई कारपेट पर भी गिर जाती है, जिसकी वजह से कारपेट पर गहरे निशान पड़ जाते हैं जो देखने में भद्दे नजर आते हैं। अगर इन दागों को रिमूव करने की कोशिश करो तो ये दाग आसानी से निकलते भी नहीं हैं। ऐसे में हम आपकी इस दिक्कत को दूर करने के लिए कुछ तरीके बता रहे हैं, जिनको आजमाकर आप कारपेट पर लगे हेयर डाई के दागों को आसानी से साथ हटा सकते हैं। आइये जानते हैं कि डाई के दाग हटाने के लिए क्या तरीके आजमाए जा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल आप हेयर डाई के दाग को निकालने के लिए कर सकते हैं। ये नॉर्मल से लेकर परमानेंट हेयर डाई के दाग को हटाने में आपकी मदद करेगा। इतना ही नहीं इसके इस्तेमाल से कारपेट के रंग ख़राब होने का डर भी नहीं रहेगा। इसके लिए आप एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लिक्विड किसी बाउल में लेकर इसमें कॉटन बॉल को डिप कर लें। इसके बाद इसको दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से लगाकर लगभग दस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद ब्रश की मदद से रगड़कर कारपेट को साफ़ करें। दाग आसानी से निकल जायेगा।

नींबू का रस

नींबू का रस भी आप कारपेट से हेयर डाई का दाग हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप नींबू के रस को दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से छिड़क दें। इसके बाद ब्रश की मदद से इसको रगड़कर साफ करें। अगर दाग एक बार में साफ नहीं होता है तो आप इस प्रोसेस को फिर से दोहरा सकते हैं।

नेल पेंट रिमूवर

नेल पेंट रिमूवर की मदद भी आप कारपेट पर लगे दाग को हटाने के लिए ले सकते हैं। इसके लिए आप नेल पेंट रिमूवर को कॉटन बॉल के जरिए कारपेट पर अच्छी तरह से लगा दें और कुछ देर ऐसे ही लगा छोड़ दें। इसके बाद किसी सूती कपड़े से रगड़ कर दाग को निकालें। दाग आसानी के साथ रिमूव हो जाएगा।

सोडियम थायोसल्फेट

कारपेट से हेयर डाई के साथ किसी भी तरह के दागों को हटाने के लिए आप सोडियम थायोसल्फेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले एक से दो कप पानी को गर्म कर लें, फिर इसमें एक चम्मच सोडियम थायोसल्फेट डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को आप स्प्रे बॉटल में भरकर दाग वाली जगह पर छिड़काव कर दें या फिर किसी सूती कपड़े के जरिए इस घोल को दाग पर अच्छी तरह से लगा कर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ब्रश से रगड़कर दाग को हटाएं।

आज की रेसिपी

अंजीर की खीर

हैदराबादी अंजीर की खीर रेसिपी: यह एक बहुत ही स्वादिष्ट खीर की रेसिपी है जिसमें आपको अंजीर की गुडनेस के साथ केसर, राइस और इलाइची का स्वाद भी मिलेगा.

सामग्री :

- 1 कप रात भर भीगे हुए अंजीर
- मुट्ठी भर चावल (3-4 घंटे के लिए भिगोए हुए)
- 1 लीटर दूध
- 4-5 टेबल स्पून कडेंस्सेड मिल्क
- 6-7 केसर रेशे
- 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर

विधि :

- भिगोए हुए अंजीर को पीसकर एक पेस्ट बना लें और एक तरफ रख दें.
- चावल का भी एक पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें.
- तीन-चार मिनट के लिए मध्यम आंच पर सॉस पैन में दूध को पकाएं.
- इसमें चावल का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं ताकि इसमें गांठे न पड़ें.
- अंजीर का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं.
- जब आपको एक गाढ़ा और क्रीमी मिश्रण मिल जाए तो इसमें कडेंस्सेड मिल्क और केसर डालकर उबालें.
- आखिर में इसमें इलाइची पाउडर डालें, इसे अच्छे से मिलाएं और छोटे बाउलस में निकालकर सर्व करें.

सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं, विकास कार्यों में गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान: रणबीर गंगवा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आनी चाहिए, जो विकास कार्य नही हो सकता है, इस बारे संबंधित जनप्रतिनिधि अवगत कराएं ताकि नये कार्य स्वीकृत करवाए जा सकें।

मंत्री रणबीर गंगवा सोमवार को स्थानीय पंचायत भवन में स्थापित विकास सदन में जिला विकास एवं निगरानी समिति की बैठक में बोल रहे थे। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। बैठक में मंत्री का पहुंचने पर उपायुक्त उत्तम सिंह ने पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत किया।

बैठक में मंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 23 करोड़ 75 लाख रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति दी और कहा कि डी-प्लान का पैसा लैप्स न होने दें। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि सरकार के पास पैसों की कोई कमी नहीं है, विकास कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में उपायुक्त उत्तम सिंह ने मंत्री को अवगत कराया कि गत वित्त वर्ष के दौरान जिला में डी-प्लान के तहत 377 विकास कार्य स्वीकृत किए गए थे जिनमें से 335 विकास कार्य पूरे हो चुके हैं तथा शेष कार्यों को भी जल्द पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि डी-प्लान के अंतर्गत जो राशि विकास कार्यों के लिए मिली है, उन विकास कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करवाया जाएगा। इस अवसर पर असंध के विधायक योगेंद्र राणा, नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी, करनाल नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा, असंध नगर पालिका की चेयरपर्सन सुनीता अरडाना, नगर पालिका इंद्री के चेयरमैन राकेश तथा प्रशासन की ओर से जिला परिषद के सीईओ गौरव कुमार, एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम असंध राहुल, इंद्री एसडीएम अशोक मुंजाल, परियोजना अधिकारी राजेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किसी भी सूरत में आतंकवाद को नहीं किया जाएगा सहन: रणबीर गंगवा

करनाल। हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन व सडकें) मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि आतंकवाद किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा और आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार आतंकवाद के खिलाफ है, पहलगाम में हुई घटना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में हुई घटना का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा सोमवार को स्थानीय पंचायत भवन में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में आतंकवाद और आतंकवादियों के लिए कोई स्थान नहीं है, प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान के एक साथ नौ आतंकी ठिकानों पर हमला कर पाकिस्तान की कमर तोड़ने का काम किया है, इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और सेना को बधाई दी।

रेडक्रास सोसायटी एवं नेहरू युवा केंद्र के वालंटियर को दिया आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल की अध्यक्षा एवं डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में जाट महाविद्यालय कैथल के ऑडिटोरियम में आम-जन की सुरक्षा एवं हितों को मद्देनजर रखते हुए रेडक्रॉस तथा नेहरू युवा केंद्र के वालंटियर को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें करीब 300 स्वैच्छिक कार्यकताओं (वॉलंटियर्स) ने ट्रेनिंग प्राप्त की। जिसमें बताया गया कि आपात स्थिति से कैसे निपटा जाए और आमजन की कैसे सहायता की जाए।

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्पर रहना अति आवश्यक है। स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर भरोसा न करें। किसी भी अजनबी से सावधान रहें और उन्हें अपने घर या व्यवसाय में प्रवेश देने से पहले जांच ले। अचानक होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एक आपातकालीन योजना बनाए। जिला रेडक्रास सोसायटी कैथल के सचिव रामजी लाल ने बताया कि रेडक्रास सोसायटी एक मानवतावादी संगठन है। यह आपदाओं और आपातकाल में लोगों की मदद करता है। इसका मकसद मानव पीड़ा को कम करना और शांति का माहौल बनाना है। इसका प्रतीक, सशस्त्र संघर्षों में तटस्थता और सुरक्षा का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक है। आपात स्थिति से निपटने के लिए से जिला प्रशिक्षण अधिकारी डा. बीरबल दलाल स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को सीपीआर बारे विस्तृत रूप में जानकारी प्रदान की। जिसमें बताया गया कि आपात स्थिति में किसी घायल व्यक्ति की जान को कैसे बचाया जा सकता है।

इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों के प्रधान जगजीत बुरा, रवि दत, हवलदार राजेश ढुल, सूबेदार विरेन्द्र सिह, जाट महाविद्यालय कैथल के प्राचार्य डा. दिनेश प्राचार्य, डा. अजय, महिपाल, डा. विक्रम मौजूद रहे।

लिंगानुपात में सुधार करना हम सबकी जिम्मेदारी: डॉ. यशपाल राणा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयपाल चहल के आदेशानुसार गांव चोचड़ा की ब्राह्मण चौपाल में लिंगानुपात को लेकर एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें दन्त चिकित्सक पीएचसी उपलाना डॉ. यशपाल राणा द्वारा उपस्थित जनसमूह को लिंगानुपात के बारे में जानकारी दी और जागरूक किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लिंगानुपात कम है जो कि चिंता का विषय है।

लिंगानुपात में सुधार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर इस दिशा में प्रयास करने होंगें ताकि लिंगानुपात में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति प्रसव पूर्व अवैध लिंग जांच के बारे में स्वास्थ्य विभाग को सूचित करेगा तो उसे एक लाख रुपए की ईनाम राशि दी जाएगी और उसका नाम गुप्त रखा जाएगा। गर्भवती का पंजीकरण ए.एन.एम के पास जल्दी करवाया जाए ताकि स्टाफ समय-समय पर गर्भावस्था की देखरेख कर सके।

इस अवसर पर डॉ. यशपाल राणा, डॉ. शिवांगी बंसल, ए.एन.एम रिम्पी रानी, हेल्थ इंस्पेक्टर वेदपाल, एमपीएचडब्ल्यू राजेश बूरा व पंचायत मैंबर मौजूद रहे।

जे.सी. महाविद्यालय में केमिस्ट्री विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। नगर के जीवन चानन महिला महाविद्यालय में केमिस्ट्री विभाग द्वारा एक दिवसीय विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य रेखा शर्मा की देखरेख में हुआ। इस विस्तार व्याख्यान के मुख्य प्रवक्ता पंडित चिरंजीलाल शर्मा महाविद्यालय करनाल के केमिस्ट्री विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विकास उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभिन्न महाविद्यालयों से आने वाले वरिष्ठ प्रवक्ताओं द्वारा विशेष विषय पर दिए जाने वाले व्याख्यान से विद्यार्थियों के कॉम्प्लिकेटेड कांसेप्ट क्लियर हो जाते हैं। जिससे विद्यार्थियों को बहुत लाभ मिलता है।

इस अवसर पर मुख्य प्रवक्ता डॉ. विकास ने बी.एस.सी.की छात्राओं को विशेष रूप से ऑर्गेनिक रिएक्शन मेकैनिज्म पर विस्तार पूर्वक गहन जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को रसायन विज्ञान में अनुसंधान की दिशा और इसके व्यवहारिक उपयोगों से अवगत कराया।

इस अवसर पर के.डी. शर्मा, छवि मोंगिया, रितिका, डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ. सिमरत पाल, डॉ. नीतू सेठी, मनीषा फौगाट सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए: सेवा सिंह आर्य

गुरुद्वारा डेहरा साहिब में किसानों की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। किसानों की समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य न मिलने के कारण किसानों में रोष है। सरकार का किसानों की समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं है। किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य दिया जाए और किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए और अगला कर्ज बिना ब्याज दिया जाए।

उपरोक्त विचार भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने गुरुद्वारा डेहरा साहिब में किसानों की मासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहे। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी कर रोष जताया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान जीवन सिंह ने की और मंच का संचालन ब्लॉक महासचिव मास्टर रामकुमार पीटीआई ने किया।

सेवा सिंह आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल निधि योजना को 6 हजार से बढ़ाकर 18 हजार किया जाए।

ब्लॉक प्रधान जीवन सिंह ने कहा कि आवारा पशुओं की संख्या कम होने की बजाए लगातार बढ़ रही हैं। जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवारा पशु लगातार फसलों को बर्बाद कर रहे है। उन्होंने सरकार व प्रशासन से मांग करते कहा कि आवारा पशुओं से निजात दिलाई जाए। अन्नदाता किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरमुख सिंह ने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं की ओर ध्यान दे ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पडे।

सुखवंत सिंह खांडा खेड़ी व मास्टर रामकुमार पीटीआई ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि रजवाहों की सफाई करवाई जाए ताकि किसानों को जीरी सीजन में पानी के लिए परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर ब्लॉक उपप्रधान कुलवंत सिंह, अंग्रेज सिंह मदांनखेड़ा, सुखवंत सिंह, जरनैल सिंह, लखविंदर सिंह, सुखा सिंह रत्तक, नाजर सिंह, भीम सिंह, निर्मल सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

राजौंद में बंदरों के आंतक से नागरिक परेशान बंदरों ने 4 साल के बच्चे का कान काट खाया

ठेकेदार सैकड़ों बंदरों को पकड़ कर ले जा चुका है, फिर ये बंदर कहा से आ रहे हैं-मुख्यमंत्री हरियाणा से ठेकेदार की जांच की मांग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर राजौंद में बंदरों के उत्पात से नागरिक परेशान हो कर खून के आंसू रो रहे हैं। बंदर प्रतिदिन किसी न किसी को शिकार बना रहे हैं।

वार्ड नं आठ में नौ वर्षीय बच्चा कार्तिक सुपुत्र संदीप कुमार अपने ही घर के छत पर खेल रहा था तो बंदरों ने अपना निशाना बनाते हुए बच्चों के कान को काट खाया। इससे वह बच्चा खून से लथपथ हो गया। बच्चें को आसपास के लोगों की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद ले जाया गया। पीड़ित बच्चे के पिता संदीप ने बताया कि शाम लगभग 5:30 के करीब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में घायल बेटे को लेकर गए लेकिन अस्पताल के कर्मचारी ने सामान्य अस्पताल कैथल के लिए भेज दिया। फिर उसके बाद सामान्य अस्पताल कैथल में बच्चों का प्राथमिक उपचार किया गया व बच्चे को चार टांके आए हैं।

नागरिकों संजीव कुमार, नरेश कुमार, पन्नी देवी, राजीव, संदीप, नन्ना राम व अन्य ने बताया कि कुछ महीने पहले ही प्रशासन की ओर से बंदर पकड़ने का अभियान शुरू किया था। इसके बावजूद इनकी संख्या कम होने का

नाम नहीं ले रही। लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि बंदरों को नगर राजौंद से पकडने का कार्य कई बार किया जा चुका है। फिर भी बंदरों की संख्या ज्यों-की-त्यों बनी हुई है। महीलाओं, बच्चों, बुजुर्गों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों ने सरकार व प्रशासन से उत्पाती बंदरों को पकड़ कर दूर जंगल में छोड़ने की मांग की है। इस समस्या बारे नगरपालिका सचिव नरेंद्र शर्मा ने कहा कि पहले भी बंदरो को पकड़ने का अभियान चलाया गया था, अगर नगर में बंदरों की संख्या अधिक है तो फिर बंदरों को पकड़ने का अभियान दोबारा चलाया जाएगा।

नागरिकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। नागरिकों ने मुख्यमंत्री हरियाणा से मांग करते हुए कहा कि पहले भी कई बार बंदरों को पकड़ा जा चुका है। ना मालूम ठेकेदार उनको कहां छोड़ता है। वही बंदर फिर से आ जाते हैं। राजौंद में बंदरों को पकड़ने वाले सभी ठेकेदारों की भी जांच होनी चाहिए। बार बार बंदरों को पकड़ने के बाद भी इन की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है, नगर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

नपा राजौंद में महत्वपूर्ण मीटिंग हुई सम्पन्न

सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश पर पहलगाम घटना के संदर्भ हाउस की मीटिंग आयोजित हुई: नपा सचिव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नपा राजौंद में महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया गया। नपा सचिव नरेंद्र शर्मा ने बताया कि सरकार व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देश अनुसार नपा राजौंद के हाउस की मीटिंग बुलाई गई। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के विरुद्ध भारत द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध आप्रेशन सिंदूर अभियान चला कर पाकिस्तान के क्षेत्र में आतंकवादी अड्डों का सफाया किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश अनुसार आपातकालीन सूचना देने के लिए राजौद के नगर पालिका भवन, गुरुद्वारा साहिब व वार्ड पांच खुरडा में मंदिर पर आपातकालीन सूचना देने के लिए सायरन लगाया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु नागरिकों का जागरूक होना बहुत जरूरी है।

सचिव ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सायरन की आवाज आने पर रात्रि के समय अपने घरों, दुकानों, परिसर की लाइट बंद कर दें। दुकानदारों से अनुरोध किया कि अपनी दुकानों पर ऐसी कोई भी फैंसी लाइट ना लगाए, जो सायरन की आवाज आने पर एकदम बंद ना हो सके। हाउस की मीटिंग में पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए नागरिकों व आतंकवादियों के सफाई के दौरान शहीद हुए भारत के सैनिकों के लिए शोक प्रकट किया गया।

इस अवसर पर हाउस ने सर्व समिति से निर्णय लिया कि सरकार को जब भी नगर पालिका राजौद कार्यकारिणी, पदाधिकारियों, हाउस सदस्यों, आफिसल स्टाफ की, देश हित, राष्ट्र हित मे कहीं भी जरूरत पड़ेगी तो देश सेवा के लिए वे सब तन मन धन से तैयार रहेंगे। देश सेवा के लिए नपा राजौंद हाऊस अग्रिम पंक्ति में खड़ा होगा।

सचिव ने कहा कि 13 मई, दिन मंगलवार को नपा परिसर राजौद में सुबह 11 बजे नगर के मौजीज नागरिकों, व्यापारियों, दुकानदारों, व्यवसाईयों, मार्किट यूनियन की आवश्यक मीटिंग बुलाई गई है। सभी से अनुरोध किया है कि मीटिंग में समय पर पहुंचकर सहयोग करें। मीटिंग में नपा चेयरपर्सन बबीता, अमुमन सभी पार्षद, कार्यालय स्टाफ व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजौंद में सरकारी आदेशों की अवहेलना, बुद्ध पूर्णिमा को खुले रहे निजी स्कूल

निजी स्कूलों की लापरवाही, सरकारी आदेशों को दिखा रहे ठेंगा

एसबी ब्यूरो

राजौंद। प्रदेश सरकार द्वारा तीन छुट्टियों की घोषणा की हुई है, दूसरे शनिवार व बुद्ध पूर्णिमा की छुट्टी की घोषणा के बावजूद निजी स्कूल संचालकों ने अपने स्कूल खोले। निजी स्कूल संचालकों ने बच्चों को लेने के लिए बसें भी भेजी। वहीं छुट्टी के दिन स्कूलो की छुट्टी न कर-के निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक भी परेशान हैं। अभिभावकों का कहना है कि निजी स्कूल संचालकों को सरकार के आदेश मानने चाहिए।

जब सरकार द्वारा कक्षा पहली से 12वीं तक के सभी सरकारी व निजी स्कूलों को तीन दिनों के लिए बंद रखने के आदेश दिए हैं। लेकिन राजौंद नगर व राजौंद क्षेत्र के निजी स्कूल सरकारी आदेशों को नहीं मानते।

पूर्व में भी सरकारी आदेशों को नहीं मानने के कारण कनीना में छुट्टी के दिन स्कूल लगने पर बड़ा हादसा हो गया था। जिसमें आठ बच्चों की मौत हो गई थी। लेकिन निजी स्कूल संचालक सरकार के इन आदेशों को नहीं मान रहे हैं। इससे

अभिभावक खासे परेशान हैं।

इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागट से फोन पर बताया कि उन्हें निजी स्कूल खुले होने की सूचना लगी है। खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर कश्यप को सूचना देकर उन निजी स्कूलों पर कार्रवाई करने की बात कही। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर कश्यप से फोन पर कहा कि किसी कार्य से बाहर हूं और राजौंद और राजौंद क्षेत्र में जहां भी शिक्षा विभाग व हरियाणा सरकार द्वारा घोषित छुट्टी के दौरान निजी स्कूलों को खोला गया है, उलंघना की गई है। कई बार आदेश कर चुके हैं, बार बार गलती करते हैं, इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई बनती है और कारवाई की जाएगी।

जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए गंभीरता एवं संजीदगी के साथ काम करें अधिकारी: डीसी कैथल प्रीति

जन जागरूकता अभियान के साथ-साथ नशा तस्करों पर की जाए सख्त कार्रवाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी कैथल प्रीति ने कहा कि नशा एक बहुत ही संवेदनशील मामला है, जो शरीर के साथ-साथ समाज को भी खोखला कर देता है। इससे निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को गंभीरता एवं संजीदगी के साथ काम करना होगा। बैठक के दौरान जिसे विभाग की जो भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे तय समय पर पूरा करें और उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट भी भिजवाना सुनिश्चित करें। जन जागरूकता अभियान के साथ-साथ नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, उन्हें सजा दिलाई जाए। जिले में शेष रहते ड्रग फ्री 66 गांवों में फोकस करके उन्हें भी ड्रग फ्री बनाया जाए। डीसी ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर उच्च शिक्षा अधिकारी तथा जिला वन अधिकारी को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी ऐसी बैठकों में स्वयं भाग लेना सुनिश्चित करें। यदि किसी अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी को भेजना पड़े तो वे बैठक में अपनी प्रगति रिपोर्ट जरूर लेकर आएं। अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीसी प्रीति लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय नारको समन्वयक समिति (एनकोर्ड) की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहीं थीं। जिला प्रशासन का मिशन हर गांव को नशा मुक्त बनाना है। जिसके लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मुस्तैदी एवं समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ नशा स्त्रोतों का भी पता लगाएं, ताकि ड्रग सप्लाई चैन को तोड़ा जा सके। नशा तस्करों की प्रॉपर्टी अटैच करवाने की

कार्रवाई भी की जाए। पुलिस के अनुसार जिले के करीब 214 गांव ड्रग फ्री घोषित किए गए हैं, उनमें विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही शेष 66 गांवों में फोकस करके उन्हें भी ड्रग फ्री बनाया जाए। सभी एसडीएम, बीडीपीओ ग्राम इसमें सहयोग करें और ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान आयोजित करवाकर ग्रामीणों को नशे के कुप्रभावों के प्रति सचेत करें।

उन्होंने कहा कि जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी नियमित रूप से दवाओं की दुकानों की चेकिंग करें। इसके साथ ही अधिकृत नशीली दवाइयों की बिक्री की मॉनिटरिंग की जाए। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करें कि उन्होंने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं या नहीं। अगर नहीं लगाए तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अपने क्षेत्र के नशा मुक्ति केंद्रों का दौरा भी करें। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा की सहायता से नहरों व नालों के आसपास स्वयं उगने वाले नशीले पौधों को जल्द से जल्द नष्ट करवाया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल में लगातार जागरूकता अभियान चलाते रहें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आईएमए के साथ मिलकर नशे से प्रभावित गांवों में कैंप लगाएं और नशा करने वाले लोगों को नशे की गिरफ्त से बाहर निकलने में मदद करें। डीसी ने जिला न्यायवादी को निर्देश दिए कि एनडीपीएस के केस में कितने लोगों को सजा हुई और कितने छूट गए, इसकी रिपोर्ट हर माह आनी चाहिए। उन्होंने चिन्हित अपराधों की प्रगति रिपोर्ट भी ली। साथ ही पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बैठक से पहले एक्शन टेकन रिपोर्ट जरूर साझा करें।

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग पुलिस टीम के साथ मिलकर गांवों में नशा विरोधी मुहिम चलाए। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए घातक है।

बुद्ध पुर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं ने लगायी गंगा में डुबकी, किया पूजा अर्चना

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। बुद्ध पूर्णिमा को लेकर सोमवार को अकबर नगर तथा आसपास के विभिन्न इलाको मे श्रद्धालुओं ने आस्था पूर्वक गंगा में डुबकी लगा गंगा स्नान किया। स्नान के बाद सूर्य देवता को अर्घ्य देकर नमन किया। घाटों पर मन्नत पूरी होने पर विशेष रूप से मां गंगा की निष्ठा के साथ पूजा अर्चना किया। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना व दान-पुण्य किया।बुद्ध पूर्णिमा को ले लोगों ने श्रद्धा पूर्वक अपने-अपने घरों में सत्यनारायण भगवान की पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना किया। साथ ही प्रसाद आदि भी वितरण किया। बुद्ध पुर्णिमा को ले सड़को पर भी लोगों की भीड़ रही। वैशाख पूर्णिमा को रात में चंद्रमा को अर्घ्य देने की परंपरा है। इसके लिए चंद्रोदय के समय एक लोटे में जल, दूध और अक्षत डाल लें और आसमान में उदित चंद्रमा की तरफ अर्घ्य दिया जाता है। ज्ञात हो कि बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध की जयंती को बुद्ध पूर्णिमा के तौर पर मनाया जाता है। गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ गौतम था जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा के दिन जन्म लिया था।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635